



Punit jain



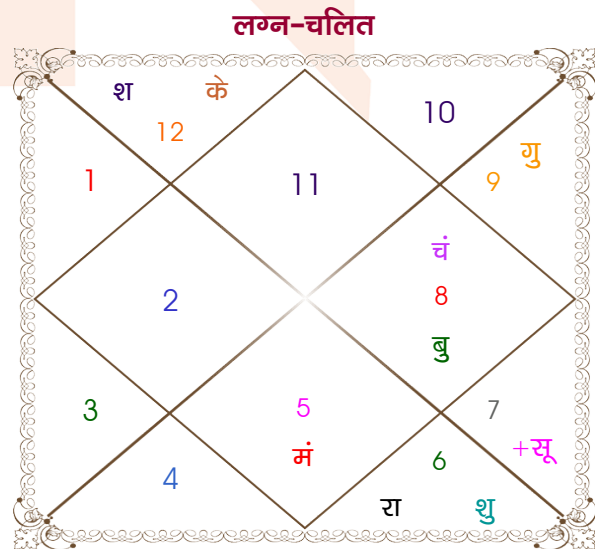
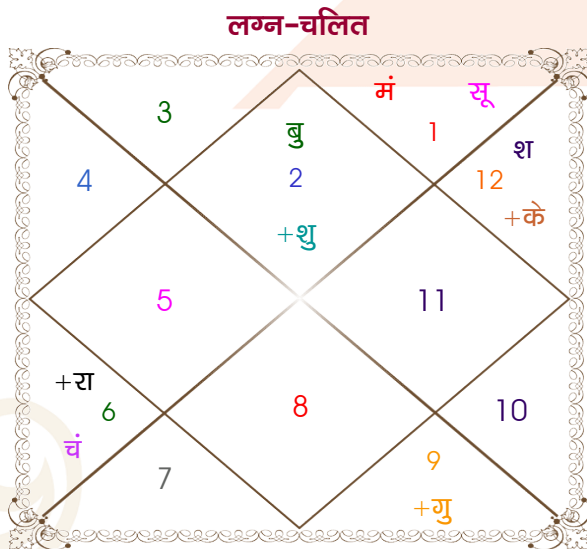
Nikita

Model: Web-FreeMatching

Order No: 121682305

पुल्लिंग : _____ लिंग _____ : स्त्रीलिंग
 01/05/1996 : _____ जन्म तिथि _____ : 12/11/1996
 बुधवार : _____ दिन _____ : मंगलवार
 घंटे 07:25:00 : _____ जन्म समय _____ : 13:00:00 घंटे
 घटी 03:31:55 : _____ जन्म समय(घटी) _____ : 15:14:10 घटी
 India : _____ देश _____ : India
 Jodhpur : _____ स्थान _____ : Vellore
 26:18:00 उत्तर : _____ अक्षांश _____ : 12:56:00 उत्तर
 73:08:00 पूर्व : _____ रेखांश _____ : 79:09:00 पूर्व
 82:30:00 पूर्व : _____ मध्य रेखांश _____ : 82:30:00 पूर्व
 घंटे -00:37:28 : _____ स्थानिक संस्कार _____ : -00:13:24 घंटे
 घंटे 00:00:00 : _____ ग्रीष्म संस्कार _____ : 00:00:00 घंटे
 06:00:14 : _____ सूर्योदय _____ : 06:11:08
 19:09:18 : _____ सूर्यास्त _____ : 17:44:08
 23:48:24 : _____ चित्रपक्षीय अयनांश _____ : 23:48:48

विंशोत्तरी चन्द्र 4वर्ष 11मा 9दि राहु 10/04/2008 11/04/2026	अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी शनि 8वर्ष 3मा 19दि केतु 03/03/2022 03/03/2029
राहु	22/12/2010	10:15:37	वृष	कुंभ	04:35:01	केतु
गुरु	17/05/2013	17:10:28	मेष	तुला	26:22:59	शुक्र
शनि	23/03/2016	16:44:32	कन्या	वृश्चि	10:50:22	सूर्य
बुध	10/10/2018	04:55:39	मेष	सिंह	13:14:32	चन्द्र
केतु	29/10/2019	04:28:16	वृष	वृश्चि	02:28:42	मंगल
शुक्र	29/10/2022	23:49:43	धनु	धनु	20:54:24	राहु
सूर्य	22/09/2023	28:18:27	वृष	कन्या	22:58:23	गुरु
चन्द्र	23/03/2025	08:54:03	मीन	मीन	07:11:30	शनि
मंगल	11/04/2026	23:16:00	कन्या	कन्या	13:29:02	बुध
		23:16:00	मीन	मीन	13:29:02	
		10:45:09	मक	मक	07:17:47	
		03:56:44	मक व	मक	01:32:06	
		08:30:32	वृश्चि व	वृश्चि	08:40:55	



अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	वैश्य	विप्र	1	0.00	--	जातीय कर्म
वश्य	मानव	कीटक	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	साधक	प्रत्यारि	3	1.50	--	भाग्य
योनि	महिष	मृग	4	2.00	--	यौन विचार
मैत्री	बुध	मंगल	5	0.50	--	आपसी सम्बन्ध
गण	देव	देव	6	6.00	--	सामाजिकता
भकूट	कन्या	वृश्चिक	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	आद्य	मध्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	26.00		

Punit jain का वर्ग श्वान है तथा छपापजं का वर्ग सर्प है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।
अष्टकूट मिलान के अनुसार Punit jain और छपापजं का मिलान अत्युत्तम है।

मंगलीक दोष मिलान

Punit jain मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में द्वादश भाव में स्थित है।

व्यये च कुजदोषः कन्यामिथुनयोरविना ।

द्वादशे भौमदोषस्तु वृषतौलिकयोरविना ।।

अर्थात् व्यय भाव में यदि मंगल बुध तथा शुक्र की राशियों में स्थित हो तो भौम दोष नहीं होता है।

क्योंकि मंगल Punit jain कि कुण्डली में द्वादश भाव में मेष राशि में स्थित है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

छपापजं मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में सप्तम् भाव में स्थित है।

सप्तमो यदा भौमः गुरुणां च निरीक्षिता ।

तदास्तु सर्वसौख्यं च मंगली दोषनाशकृत् ।।

सप्तम मंगल को गुरु देखता हो मंगली दोष कट जाता है।

क्योंकि छपापजं कि कुण्डली में सप्तम मंगल को गुरु देखता है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः ।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत् ।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि शनि Punit jain कि कुण्डली में एकादश भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

Punit jain तथा छपापजं में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।

